

आ दिनमुनिञ्चि

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

रागम्: आनन्दभैरवि ताळम्: त्रिपुट

पल्लवि

आ दिनमुनिञ्चि पोगडि पोगडि
आश्रयिञ्चि महिमलनु पाडलेदा?

अनुपल्लवि

आदिशक्ति नीवनि (नम्मिनानु) नम्मिन नन्न
आदरिञ्चलेवा? दयलेदा?

चरणम्

अहिभूषणुनि राणि पुराणि भवानि
अळिकुलवेणि आश्रितश्रेणि अम्बुजलोचनि
श्यामकृष्णपालितजननी अखिललोकभवानि
श्यामळाम्बिके वरदे अभयदानमीयवे

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇